कोयतुरो की बुलंद आवाज़

कोयतुर टाइम्स

सोमवार 13 जनवरी 2025 | RNI: UDYAM-CG-11-0005844

सुविचार -
कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता.
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से मिलती है सफलता

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम में युवा महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने युवाओं को देश-प्रदेश का भविष्य बताते हुए मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए रायपुर में नालंदा परिसर 24x7 खुला है, और इसी तर्ज पर राज्य के अन्य जिलों में हाईटेक लाइब्रेरी बनाई जा रही हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके शिकागो भाषण का उल्लेख किया और युवाओं को दृढ़संकल्पित रहने की सीख दी। बस्तर ओलंपिक की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रतीक है। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म करने के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले ही पूरा करने का भरोसा जताया। अपने सफर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर के छोटे से गांव बगिया से शुरू हुआ उनका जीवन संघर्ष और सेवा का उदाहरण है। उन्होंने अपने संघर्ष में मां को रोल मॉडल मानते हुए सार्वजनिक जीवन की शुरुआत पंच के रूप में की और फिर विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री बने।Bइस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छेरछेरा पर्व की दी बधाई

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक पर्व छेरछेरा की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। श्री साय ने छेरछेरा पर्व की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि छेरछेरा पर्व नई फसल के घर आने की खुशी में पौष पूर्णिमा के दिन छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं होती। श्री साय ने कहा कि महादान और फसल उत्सव के रूप में मनाया जाने वाला छेरछेरा त्योहार हमारी सामाजिक समरसता, दानशीलता की और समृद्ध गौरवशाली परम्परा का संवाहक है। इसी दिन मां शाकम्भरी जयंती भी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, इसलिए लोग धान के साथ साग-भाजी, फल का दान भी करते हैं ।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किया शिरकत

रायपुर: राष्ट्रीय युवा दिवस पर नई दिल्ली के रामकृष्ण मिशन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायक विचारों से सीखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के विचारों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, "आज के युवा आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं। स्वामीजी ने कहा था, 'दुनिया को चरित्र की आवश्यकता है। वह चरित्र जो प्रेम और निःस्वार्थता से परिपूर्ण हो। ऐसा प्रेम हर शब्द को बिजली की तरह प्रभावी बना देता है।' राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद द्वारा युवाओं के लिए दिए गए आह्वान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था, "एक लाख पुरुष और महिलाएँ, जो पवित्रता, साहस और सेवा की भावना से परिपूर्ण हों, देश के कोने-कोने में जाकर समाजोन्नति और समानता का संदेश फैलाएँ।" कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की भी चर्चा की, जिसने पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की शक्ति का एहसास कराया। श्री डेका ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, "भारत एक युवा राष्ट्र है और इसे सही दिशा में ले जाने के लिए युवाओं की ऊर्जा को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित करना आवश्यक है। उनकी शिक्षाएँ हमें न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए प्रेरित करती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी का बोध भी कराती हैं।" कार्यक्रम में भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि, सांसद बांसुरी स्वराज, भारतीय खाद्य निगम के महानिदेशक आशुतोष अग्निहोत्री, रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद भी उपस्थित रहे।

ब्रेकिंग न्यूज मुख्यमंत्री से मुलाकात में योजनाओं पर बनी सहमति

छत्तीसगढ़ में 75 हजार करोड़ का निवेश करेगा अडानी समूह

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर अडानी समूह के चेयरमैन श्री गौतम अडानी ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान छत्तीसगढ़ में उद्योग, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में बड़े निवेश की योजनाओं पर चर्चा हुई। श्री अडानी ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य सरकार की दूरदर्शी और पारदर्शी नीतियों के चलते उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा है। अडानी समूह रायपुर, कोरबा और रायगढ़ में पावर प्लांट्स का विस्तार करेगा, जिसके लिए 60 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता में 6,120 मेगावाट की वृद्धि होगी। यह परियोजना छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ अन्य राज्यों को ऊर्जा आपूर्ति में भी मददगार होगी। अडानी समूह ने छत्तीसगढ़ में सीमेंट उद्योग के विस्तार के लिए 5 हजार करोड़ रुपए के निवेश पर सहमति जताई है। इससे राज्य में सीमेंट उद्योग को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री और श्री अडानी के बीच मुलाकात के दौरान रक्षा उपकरण निर्माण, डेटा सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। राज्य सरकार की पहल छत्तीसगढ़ को उभरते उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाना है। वर्तमान समय की जरूरतों को देखते हुए नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के संबंध में भी चर्चा की गई। श्री अडानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अडानी समूह अगले चार वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपए का व्यय करेगा। यह राशि सीएसआर और अन्य स्रोतों से खर्च की जाएगी, जिससे राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। अडानी समूह युवाओं के लिए रोजगार आधारित कौशल विकास पर काम करेगा। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में भविष्य की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम डिजाइन किया जाएगा।

इसके साथ ही स्किलिंग एक्सीलेंस स्कूल और नवा रायपुर में एक प्रीमियम स्कूल की स्थापना की जाएगी, जिससे राज्य के युवाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भी अडानी समूह काम करेगा। एम्स रायपुर और मेकाहारा अस्पताल के पास मरीजों के परिजनों के लिए 1000 बेड डॉर्मिटरी की सुविधा शुरू की जाएगी। पर्यटन के क्षेत्र में अडानी समूह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने की दिशा में कार्य करेगा। इसके साथ ही ग्रामीण विकास परियोजनाओं को भी गति मिलेगी, जिससे राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी।

युवा शक्ति के हाथों ही खड़ी होगी विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की बुलंद इमारत : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित तीन दिवसीय राज्य युवा महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की महान परंपरा को विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया। उनके शिकागो सम्मेलन के ऐतिहासिक भाषण ने भारतीय चिंतन को विश्व पटल पर पहचान दिलाई।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। पीएससी परीक्षाओं में पारदर्शिता लाई गई है और यूपीएससी पैटर्न पर आयोजित की जाएगी। दिल्ली यूथ हॉस्टल में सीटें बढ़ाई गई हैं, व्यापम परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी किया गया है, और रिक्त पदों को तेजी से भरा जा रहा है। नई औद्योगिक नीति के तहत स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश और 5 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए कोवर्किंग स्पेस बनाए जा रहे हैं और आईटी सेक्टर का तेजी से विकास हो रहा है। बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसमें 1.65 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खेलों के विकास के लिए अधोसंरचना और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने युवाओं की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के बल पर छत्तीसगढ़ 2047 तक विकसित राज्यों में शामिल होगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव का संबोधन

नारायणपुर: उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नारायणपुर के रामकृष्ण मिशन आश्रम में राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि और विकास में हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं के लिए मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं भारतीय संस्कृति और समाज के उत्थान का आधार कश्यप ने भी युवाओं से विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी व्याप्तानंद जी महाराज ने मिशन के 1984 से अबूझमाड़ क्षेत्र में शिक्षा और जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

फूलों की खेती से परिमल की बढ़ी आय

सरगुजा: अम्बिकापुर के चठिरमा निवासी श्री परिमल गेंदे के फूलों की खेती कर रहे हैं। पारंपरिक खेती की तुलना में फूलों की खेती का नवाचार, श्री परिमल जैसे किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। उन्नत किसान के रूप में श्री परिमल का जीवन इन फूलों की ही तरह महकने लगा है। उन्होंने बताया कि वो तीन वर्षों से गेंदे की खेती कर रहें हैं, शुरुआती दो वर्ष में जानकारी के अभाव में उनकी आमदनी कम होती थी। अब राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत उन्हें उद्यानिकी विभाग से 1280 पौधे एवं 6400 रुपए की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई। विभाग ने उन्हें नवाचार के कई पद्धतियों के बारे में बताया साथ ही समय-समय पर दवा के छिड़काव संबंधित जानकारी दी। श्री परिमल ने अपने बागवानी में ड्रिप पद्धति का उपयोग किया और जिससे उनके खेतों में फूलों की बंपर पैदावार हुई।

बंपर उत्पादन से हुई दुगुनी कमाई-

परिमल बताते हैं कि गेंदे की खेती से महज तीन माह में ही आमदनी मिलनी शुरू हो जाती है। वे एक वर्ष में 2 सीजन में खेती करते हैं अभी उन्होंने अपने 0.400 एकड़ रकबे में गेंदा फूल लगाया है। पहले प्रति सीजन मात्र 15 से 20 हजार तक होने वाली कमाई अब 45 से 50 हजार तक हो जा रही है। तीज-त्यौहारों के समय तो मांग बढ़ने से आमदनी और बढ़ जाती है।

ब्रेकिंग न्यूज

कोरबा शहर में व्यवस्था को बेहतर करने 4 और उपकेंद्र की स्वीकृति

रायपुर: वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज शनिवार को सीएसईबी कॉलोनी पूर्व में बिजली वितरण विभाग के 1*5 एमवीए 33/11 केवी उपकेंद्र लागत 1.90 करोड़ का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ऊर्जाधानी से बनने वाली बिजली देश के कई राज्यों को रोशन करती हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि बिजली की समस्या भी बढ़ी है। जब से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की सरकार बनी है तब से इस समस्या से निपटने के लिए तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। आज इस उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया है जल्द इसके बनने से सीएसईबी कॉलोनी , पथरीपारा, निहारिका के 3 हजार से अधिक उपभोक्ताओं और उनके परिवार जनों को लाभ मिलेगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा शहर की बिजली वितरण व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए 5 जगहों पर उपकेंद्र निर्माण के प्रस्ताव राज्य शासन को दिया गया था। विष्णु सरकार ने सभी उपकेंद्र के लिए स्वीकृति दे दी है। मंत्री श्री देवांगन ने जानकारी देते हुए कहा कि रूमगढ़ा , रताखार में 3.5 एमवीए के उपकेंद्र और झगहरा और परसाभाटा में 5 एमबीए के उपकेंद्र का निर्माण भी जल्द प्रारम्भ होगा। इन सभी के बनने से 25 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सीएसईबी कॉलोनी की सड़कों की दुर्दशा किसी से नहीं छीपी थी, विष्णुदेव सरकार बनने के बाद हमने इस समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रस्ताव दिया था, आपको जानकर खुशी होगी कि जो सड़क पिछले कई वर्षो से नहीं बनी थी वह महज एक साल में ही बन गई, एक करोड़ की लागत से सड़क डामरीकरण का कार्य पूर्ण हो चुकी है। साथ ही 5 लाख की लागत से गायत्री मंदिर के पास सड़क जिला खनिज न्यास मद से तैयार हो चुकी है।

युवा महोत्सव में युवा कलाकारों ने बिखेरी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा

Koytur times

रायपुर: राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव के प्रथम दिन अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की संघर्ष गाथा पर आधारित नाटक 'मैं अयोध्या हूं' का मंचन किया गया। इस जीवंत प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। इसके साथ ही आकर्षक लेजर शो के माध्यम से पिछले एक दशक में भारत की विकास यात्रा की झांकी प्रस्तुत की गई। छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 के प्रथम दिन आयोजित संगीतमय नाट्य प्रस्तुति 'मैं अयोध्या हूं' ने दर्शकों को अयोध्या नगरी की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महिमा से अवगत कराया। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण और रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तक की गौरवशाली गाथा को इस कार्यक्रम में जीवंत किया गया। मुंबई से आए प्रसिद्ध कलाकार प्रदीप गुप्ता और उनकी टीम ने नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। इस भव्य प्रस्तुति में इसे सतयुग से लेकर कलयुग तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। संगीतमय संवाद, मनमोहक नृत्य और उत्कृष्ट अभिनय ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा भी युवाओं ने बिखेरी। सुप्रसिद्ध लोकगायिका सुश्री आरु साहू ने सुमधुर छत्तीसगढ़ी लोक गीतों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति

इसके अलावा कार्यक्रम में गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। युवा कलाकारों ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संत बाबा गुरू घासी दास जी के संदेशों पर आधारित पंथी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। दर्शकों ने सुश्री आरू साहू के द्वारा प्रस्तुत ददरिया को सराहा। युवा महोत्सव में युवाओं के लिए कहानी लेखन, चित्रकला, तात्कालिक भाषण, कविता पाठ के आयोजन के साथ ही विज्ञान मेला का भी आयोजन किया गया। युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ सरकार की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी के साथ ही युवाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है।

'सुपर 30 फेम' श्री आनंद कुमार के साथ युवाओं का संवाद

इसके अलावा हस्तशिल्प, टैक्सटाइल और कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक दशक में किए गए विकास कार्यों और लोक कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों एवं छत्तीसगढ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव के सुशासन के एक वर्ष में जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को लेज़र शो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। तीन दिन तक चलने वाले छत्तीसगढ़ युवा महोत्सव में कल दूसरे दिन 13 जनवरी को 'सुपर 30 फेम' श्री आनंद कुमार के साथ युवाओं का संवाद होगा। साथ ही 'ऐसा जादू है मेरे बस्तर में' फेम दायरा बैंड की प्रस्तुति होगी।

बड़े भजन मेला मुड़पार में शामिल हुये राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा

सारंगढ़ बिलाईगढ़: बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत मुड़पार में आयोजित राम राम बड़े भजन मेला में जिले के प्रभारी एवम राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शामिल होकर जैतखाम में पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़वासियों के सुख समृद्धि की कामना किया।मेला परिसर में बने अस्थायी मंच में कार्यकर्ताओं एवम रामनामी समाज के लोगों ने मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामकौशल रामनामी ने कहा कि 200 साल से चल रहा है, पर मेला का ये 112वा साल है। मैं पांचवी पीढ़ी हूं। कार्यक्रम को मंत्री टंकराम वर्मा ने संबोधित करते हुये कहा कि जब हमारे रामनामी लोगों को मंदिर में प्रवेश करना मना कर दिए तो, ये राम भक्त अपने शरीर में राम राम लिखा कर अपने आप को ही मंदिर बना दिया। राम भगवान ने सब लोगों को गले लगाकर भेदभाव को एक समान कर दिए थे। लोग जो अयोध्या से दर्शन कर के आते है वे बताते है कि इतना अच्छा दर्शन अपने पैसा से भी नहीं कर सकते थे। पूर्व विधायक गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा सीएम साय जी के कार्यक्रम की व्यस्तता के कारण मेले में शामिल नहीं हो सके, पर अपने प्रतिनिधि के रूप में प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा जी को भेजे हैं। राम हमारे आराध्य हैं। हम मन में राम को रखते है, पर हमारे रामनामी लोग तन मन में बसा के रखते हैं।अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्यक्रम में हमारे रामनामी समाज के लोगों को भी बुलाए थे। हम राम के वंशज हैं। माता कौशल्या ने राम को जन्म दिया है। राम हमारे भांजा है इस कारण से छत्तीसगढ़ के लोग राम के रूप में भांजा को प्रणाम करते हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी इस कारण से सब को फ्री में रामलला की दर्शन करने का योजना चला रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सनम जांगड़े, ज्योति पटेल, सुभाष जालान, दिनेश जांगड़े, शिवकुमारी चौहान , बेदराम जांगड़े सहित कार्यक्रम स्थल में लगभग 300 लोग शामिल थे, वहीं मेला परिसर में 10 हजार लोग उपस्थित थे।

जिले के दो स्वास्थ्य केन्द्रों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

बलरामपुर: केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर ईलाज उपलब्ध कराने वाले जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डीपाडीह कला व आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवली को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधा का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के दो स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सक और मेडिकल स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा की जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरक़रार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और जिले के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा की सरकार का लक्ष्य सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को गुणवत्ता मानक पर खरा उतरने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणित करने की योजना है । जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का ने कहा की पूर्व में जिले में 04 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 01 आयुष्मान केंद्र राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त किये है। अब यह संख्या बढकर 07 हो गयी है और अभी 02 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का वर्चुअल विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आंकलन हुआ है। उन्होंने बताया की केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने वर्ष 2024 माह दिसम्बर व वर्ष 2025 माह जनवरी में मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था जिसमें माह दिसम्बर 24 में परीक्षण में दो स्वास्थ्य केंद्र जिसमे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डीपाडीहकला व आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवली का रिजल्ट प्राप्त हुआ है। जिसमें डीपाडीह कला को 92.80 व केवली को 90.72 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है। सुश्री स्मृति एक्का ने बताया की राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओ और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है, इनमे उपलब्ध सेवाएं, मरीजों का अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विस, क्लीनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कण्ट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल है। इन मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।

ब्रेकिंग न्यूज दुर्ग जिले के ग्राम खपरी में तीन दिवसीय किसान सम्मेलन का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ आने वाले समय में धान के साथ-साथ सब्जी और फलों का भी कटोरा बनेगा: केन्द्र सरकार कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और बागवानी फसलों को दे रही बढ़ावा - केंद्रीय कृषि मंत्री

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट 2025 में शामिल हुए। इस कार्यक्रम से केन्द्रीय खाद्य एवं वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व केन्द्र सरकार ने देश के किसानों के मान एवं सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए किसान हित में फैसले लिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। छत्तीसगढ़ में भरपूर मात्रा में धान होता है। यहां के चावल का वैल्यू एडिशन और ब्रांडिंग कर इसे दुनिया के बाजारों में पहुंचाने की जरूरत है। इससे किसानों और व्यापारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि को अपनाने और पानी की कम खपत वाली फसल लेने की अपील की। केन्द्रीय मंत्री श्री गोयल ने आगे कहा कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर किसानों की बेहतरी तथा छत्तीसगढ़ राज्य के तरक्की के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में राईस मिलर्स प्रमोटर्स द्वारा इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पोषणयुक्त चावल के उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि किसानों को उनके उत्पादों की अच्छी कीमत मिले। छत्तीसगढ़ में राईस मिलर्स प्रमोटर्स का यह आयोजन छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ-साथ प्रदेश के समृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि आज के ही दिन अयोध्या धाम मंदिर में भगवान श्री रामलला विराजे थे। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान श्री राम का ननिहाल है। रामलला के विराजमान होने की प्रथम वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश और देश की जनता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

साय ने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ राज्य में इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट का आयोजन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान के कटोरे छत्तीसगढ़ राज्य में इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट का आयोजन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि धान से छत्तीसगढ़ की पहचान पूरे देश में है। अब हमें इस पहचान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाना है। हमारे यहां धान की जितनी प्रजातियां हैं उतनी अन्य कहीं नही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं एक किसान-पुत्र हूँ। मैंने खुद अपने हाथों से हल चलाया है। मुझे खेती का अच्छा अनुभव है। इसलिए मैं ये कह सकता हूँ कि हमारे प्रदेश के गांवों में धान की इतनी प्रजातियां हैं, जिनके नाम भी सभी लोगों को नहीं मालूम होगा। जब देश आजाद हुआ उस समय मेरे दादाजी मनोनीत विधायक थे, मगर खेती से हमेशा उनका जुड़ाव रहा। वे जो धान लगाते थे, वह धान इतना खुशबूदार था कि पूरा खेत महकता था। जिस घर में चावल पकता था उसके पास से गुजरने वालों को सुगन्ध से पता चल जाता था कि चावल बन रहा है। छत्तीसगढ़ की ऐसी प्रजातियों को सामने लाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम अपने किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दे रहे हैं। इस वजह से राज्य में खेती का रकबा तो बढ़ा ही है, साथ ही किसानों की संख्या भी बढ़ी है। जहां पहले 24 लाख किसान पंजीकृत थे वहां अब 27 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान की फसल में कम मेहनत में अच्छा फायदा किसानों को मिलता है।

साय के नेतृत्व में किसानों के हित में काम कर रही

छत्तीसगढ़ के चावल को विदेशों को निर्यात किया जाना चाहिए। मैं निर्यातको से अपील करता हूं कि वे यहां के धान की किस्मों की जानकारी लेकर धान की निर्यात को प्रोत्साहन दे जिससे राज्य के किसान लाभान्वित हो। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के हित में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही मदद और उनके हित में लिए गए फैसलों से खेती में समृद्धि और किसान खुशहाली आई है। राज्य से चावल के निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मंडी शुल्क पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। किसानों की बेहतरी के लिए हम छत्तीसगढ़ को ओपन मार्केट बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने राईस मिल प्रमोटर्स से किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम दिलाने का अपील की।

पांच धान खरीदी केन्द्रों में 52.84 लाख की गड़बड़ी उजागर

5 केन्द्रों में 52.84 लाख रुपये मूल्य का 1704 क्विंटल धान अधिक पाए

बिलासपुर, छत्तीसगढ़: बिलासपुर जिले में धान खरीदी केन्द्रों के भौतिक सत्यापन के दौरान 5 केन्द्रों में 52.84 लाख रुपये मूल्य का 1704 क्विंटल धान अधिक पाए जाने का मामला सामने आया है। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर गठित राजस्व, खाद्य और सहकारिता विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए धान को जब्त कर लिया है और समिति के जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरूद्ध प्रकरण बनाया गया है। जिला खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने बताया कि धान खरीदी के अंतिम दिन तक सत्यापन की यह प्रक्रिया जारी रहेगी। पिछले दो दिनों में एक दर्जन से अधिक केन्द्रों का निरीक्षण किया गया, जिनमें पांच केन्द्रों में अनियमितताएं पाई गईं। बोदरी उपार्जन केन्द्र में 240 क्विंटल, गनियारी में 681 कट्टी, सोन (पचपेड़ी) में 500 कट्टी, कौडिया (सीपत) में 230 क्विंटल और बोडसरा (बोदरी) में 762.6 क्विंटल धान अधिक पाया गया। इन सभी मामलों में धान को जब्त कर समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ प्रकरण तैयार किया गया है। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सभी केन्द्रों में उपलब्ध धान बोरों की गणना, रैंडम वजन और ऑनलाइन दर्ज आंकड़ों से मिलान किया। सत्यापन में गड़बड़ी पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीईओ जिला पंचायत ने शासन के महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की

Koytur times

राजनांदगांव: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सभी महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण पात्र हितग्राहियों के पंजीयन करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि एवं लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत स्वीकृत आवासों में मनरेगा के माध्यम से मस्टररोल जारी करने के संबंध में जानकारी ली।उन्होंनेसभीजनपदपंचायतों को प्रगतिरत आवासों मस्टर रोल जारीकरनेनिर्देशितकिया।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माण में लगने वालीसामग्रीकीव्यवस्थासुनिश्चित कीगयीहै।इसकेलिएहितग्राहियों कोचयनितफर्मोंकीसूचीउपलब्ध करनेनिर्देशितकियागया।सीईओ जिलापंचायतसुश्रीसुरूचिसिंहने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचनकीतैयारीकीसमीक्षाकी। उन्होंनेकहाकिनिर्वाचनमहत्वपूर्ण कार्य है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करें। सभी अधिकारी अपने कार्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। बैठक में मिशन जल रक्षा अन्तर्गत चयनित27गांवोंमेंजलसंरक्षणकी दिशा में किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गयी। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने सभी अधिकारियों को अभियान अन्तर्गत संगोष्ठी का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने कहा। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत मृत्यु दावा प्रकरणों के भुगतान का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। सक्रियमहिलासदस्योंकोबीमाके कार्योंमेंअपनीभागीदारीसुनिश्चित करने कहा गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों में आ रही तकनीकी समस्या का तत्काल निराकरण करने निर्देशित किया गया। उन्होंने प्रत्येक शनिवार को ग्रामोंमेंआयोजितस्वच्छतात्यौहार केआयोजनकेसंबंधमेंजानकारी ली। उन्होंने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में आवश्यक सभी आवश्यक कार्य करने कहा। बैठक में जिला पंचायत के अधिकारीउपस्थितथे।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया हिन्दी दिवस

हिन्दी भाषा, साहित्य एवं हिन्दी दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से कराए

बलरामपुर: शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में प्राचार्य श्री एन.के. देवांगन के मार्गदर्शन में हिन्दी विभाग के द्वारा विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने भाषण, निबंध व पोस्टर के माध्यम से हिन्दी भाषा एवं साहित्य के बारे में बताया। सहायक प्राध्यापक इतिहास श्री योगेश राठौर ने अपने वक्तव्य में हिन्दी भाषा, साहित्य एवं हिन्दी दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराते हुए विश्व हिन्दी दिवस मनाये जाने के उद्देश्य, उपयोगिता एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के समस्त प्राध्यपक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सुरक्षित और समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद बनी प्रधानमंत्री आवास योजना

बलरामपुर: प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से कई परिवारों की जिंदगी बदल रही है। केन्द्र व राज्य सरकार के मंशानुरूप महत्वाकांक्षी योजनाओं का समुचित लाभ समाज के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि समाज के हर वर्ग का समुचित विकास हो सके। प्रधानमंत्री आवास योजना से अब हर व्यक्ति का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है जिनकी आधी जिन्दगी कच्चे के घर में गुजर गई है और जब उनका खुदका सपना सच होता है तो वो खुशी उनके लिए क्या मायने रखती है शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से रामानुजगंज के वार्ड नंम्बर 12 की निवासी श्रीमती उर्मिला कश्यप पति स्व. चंद्रिका कश्यप को योजना का लाभ मिला है। श्रीमती उर्मिला बताती है कि पहले कच्चे के घर में अपने बेटे और बहू के साथ जीवनयापन कर रही थी। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अपने इस जीवन में वे पक्के के मकान में अपने परिवार के साथ रह पायेंगे। वे बताती हैं कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है, जिसके कारण वे कभी नहीं सोच सकती थी कि उनका खुद का अपना पक्का घर होगा, उनके लिए पक्के का मकान एक सपने जैसा था। उन्होंने बताया कि कच्चे के मकान में रहना मुश्किल होता था, बरसात के दिनों में घर के अंदर पानी आ जाता था तथा ठंड के दिनों में ठंड से बचना मुश्किल हो जाता था। बदलते मौसम के साथ परेशानियां भी बदलती रहीं। परन्तु शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का आवास बनाने के लिए शासन के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। शासन से अनुदान में मिली सहयोग राशि और स्वयं की बचत राशि को मिलाकर उन्होंने पक्का मकान बना लिया। अब पक्का मकान बन जाने से वे अपने परिवार के साथ उस पक्के के मकान में खुशहाल जीवन यापन कर रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

हेलमेट पहनने से सड़क दुर्घटना में बच सकती है जान : कलेक्टर

राजनांदगांव: कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले में संचालित पेट्रोल पंप संचालकों एवं व्हीकल डीलर्स की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में ली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग उपस्थित थे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि 31 जनवरी 2025 तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम स्कूल, कॉलेज में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहनने, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन, यातायात नियम के विरूद्ध और तेज गति से वाहन चलाने के कारण होती है। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहनों के सड़क दुर्घटना से मृत्यु सिर में चोट लगने से होती है, इसके लिए एक अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट पहनेंगे तो जान बच सकती है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनना चाहिए। इसके लिए बिना हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों की चालानी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं व्हीकल डीलर्स को सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 31 जनवरी 2025 तक अनिवार्य रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। उन्होंने जनजागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने और यातायात नियमों के पालन करने जैसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। जनसामान्य में हेलमेट पहनने और यातायात नियमों की जानकारी के प्रति जागरूकता लाना अनिवार्य है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम किया जा सके। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने पेट्रोल पंप संचालकों और व्हीकल डीलर्स को सड़क सुरक्षा माह के जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 50-50 अच्छी गुणवत्ता के हेलमेट का वितरण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जहां पर चालानी कार्रवाई होगी, वहीं पर वाहन चालक को हेलमेट का वितरण किया जाएगा और सड़क दुर्घटना से होने वाली हानि के संबंध में जागरूक किया जाएगा। जिससे वे हमेशा हेलमेट लगाकर वाहन चलाए। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को हेलमेट पहनकर आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल में 50 पैसे की विशेष छूट, फ्लैक्स लगाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने कहा। इसके साथ ही पेट्रोल पंपों में शौचालयों की अनिवार्य रूप से साफ-सफाई और नि:शुल्क हवा डालने की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पेट्रोल पंपों में अच्छी गुणवत्ता का सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगाने कहा। जिस पर सभी संचालकों ने अपनी सहमति दी। कलेक्टर ने पेट्रोल पंपों में जनसामान्य को मिलने वाली निर्धारित सुविधाओं का खाद्य विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि दोपहिया वाहन विक्रय के समय व्हीकल डीलर्स नि:शुल्क हेलमेट अनिवार्य रूप दें और इसके साथ यातायात नियमों की जानकारी देने कहा। उन्होंने सभी व्हीकल डीलर्स को अपने-अपने संस्थान में अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों से लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने कहा। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने कहा कि सबसे ज्यादा मृत्यु सड़क दुर्घटना में सिर में चोट लगने से होती है। इससे बचने के लिए अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनना चाहिए। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी तक लोगों को सुरक्षित वाहन चलाने, हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने और सड़क दुर्घटनाओं से बचने के उपायों की जानकारी देने सड़क सुरक्षा माह जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वयं जागरूक होना होगा। उन्होंने अपने-अपने संस्थान के कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनकर आने के लिए कहा। जिससे एक अच्छी जागरूकता जनसामान्य में जाएगी। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना से ग्रसित होते हैं। बड़े वाहन की गलती कारण भी दोपहिया वाहन चालकों की दुर्घटना हो जाती है। इसके लिए हेलमेट पहनना बहुत जरूरी है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को विशेष छूट के साथ-साथ 3 सवारी, शराब सेवन कर और तेज गति से वाहन नहीं चलाने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए कैम्प लगाकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने कहा। उन्होंने कहा कि वाहन विक्रय करते समय संबंधित का ड्राईविंग लायसेंस को दस्तावेज के रूप में अनिवार्य रूप में लें। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को नये वाहनों का नंबर प्लेट शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर परिवहन उप निरीक्षक डॉ. प्रभा तिवारी, सहायक खाद्य अधिकारी श्री द्रोण कामड़े सहित पेट्रोल पंप संचालक एवं व्हीकल डीलर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पर्यटकों की आँखों की पलके तब तक नहीं झपकती

जहाँ तक जाती है नजर...वहाँ आँखे जाती है ठहर...,बाँगो मिनीमाता जलाशय ..सिर्फ पहचान ही नहीं छत्तीसगढ़ की शान है..

मिनीमाता हसदेव बाँगो परियोजना

● **कोरबा** यह बाँगो जलाशय है...जिसका अधिकृत नाम अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर मिनीमाता हसदेव बाँगो परियोजना है..। प्रकृति के सुरम्य वातावरण के बीच कई ऊंचे पर्वतों के आसपास जलमग्न इस नजारों को देखने यहाँ हर पर्यटकों की आँखों की पलके तब तक नहीं झपकती जब तक वह इस नयनाभिराम नजारों को अंतिम छोर तक नहीं देख लेता, हालांकि दूर-दूर तक कई किलोमीटर में फैला यह जलमग्न दृश्य हर किसी के आँखों में पूरी तरह से कैद नहीं हो पाता...क्योंकि उनकी नजरें जहाँ तक जा पाती है...पानी के ठहराव के बीच देखने वालों की आँखे भी वहीं तक ही ठहर जाती है। कोरबा जिले की पहचान और छत्तीसगढ़ की शान मिनीमाता हसदेव बाँगो जलाशय देखने वालों को रोमांचित ही नहीं करती..उन्हें अचंभित भी कर देती है। यहाँ आना और इन नजारों को करीब से देख पाना किसी सौभाग्य से कम नहीं, क्योंकि यह खूबसूरती की ही नहीं... लाखो लोगो की प्यास बुझाने के साथ किसानों के खेतो को हरा-भरा बनाकर उनके समृद्धि की भी पहचान है..।

कोरबा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत मिनीमाता बाँगो जलाशय छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे बड़ा जलाशय की पहचान रखता है। जल संसाधन विभाग के मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना अंतर्गत कोरबा जिले में स्थित मिनीमाता बांगो बांध का निर्माण कार्य वर्ष 1992 में पूर्ण हुआ। यह बांध प्रदेश का सबसे अधिक जल भराव क्षमता एवं सबसे ऊँचा बांध है, इस बांध की जल भराव क्षमता 2894.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (लाइव स्टोरेज) एवं 3264.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (ग्रास स्टोरेज) है साथ ही बांध का डूबान क्षेत्र 185 स्क्वॉयर किलोमीटर है, इस बांध की ऊंचाई नदी के तल से 73 मीटर एवं फाउंडेशन लेवल से 87 मीटर है। यह बांध तीन महत्वपूर्ण हिस्सों में बना है जो कि 1. रॉक फिल बांध 2. मेसनरी बांध 3. मिटटी बांध है, जिसमे से रॉक फिल बांध 177मीटर, मेसनरी बांध 554.5 मीटर एवं मिटटी बांध 1778 मीटर है। मिनीमाता बांगो बांध की कुल लम्बाई 2509.5 मीटर है। इस परियोजना में 6730 वर्ग किमी जलग्रहण क्षेत्र, बांध का उच्चतम स्तर 366 मीटर, अधिकतम जलाशय स्तर 363.08 मीटर, पूर्ण जलाशय स्तर 359.66 मीटर है। वर्तमान में बांध की सुरक्षा के लिए विभिन्न जटिल कार्यों को सम्बद्ध किया गया है। यहां बांध के सुरक्षा के लिए जवान लगातार तैनात है और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। इस बांध और आसपास के सुंदर नजारों को निहारने के लिए कोरबा जिला ही नहीं अन्य जिले के लोग भी निरन्तर यहां आते हैं। कोरिया जिले के परमानंद दास, सुशीला सिंह, माया सिंह ने बांगो बांध का नाम सुना था। उन्हें इस बांध को करीब से देखने की इच्छा थी। यहां आकर जब बांध को देखा तो उन्हें दूर-दूर तक पानी का ऐसा नजारा दिखा जैसे कोई नीला आकाश है। उन्होंने बताया कि वाकई में बांगो बांध को करीब से देख लेना सौभाग्य की बात है। हम लोग कब से योजना बना रहे थे, आज यहां आकर नदी-पहाड़ सब को पास से देखा।

पुरेन्द्र हुआ अब आत्मनिर्भर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से मिली बैटरी चलित ट्रायसायकल

जशपुर जिला के ग्राम मयुरचुन्दी निवासी श्री पुरेन्द्र एक दुर्घटना में घायल हो गए थे। ईलाज के दौरान एक पैर काटना पड़ा था, दूसरे पैर में रॉड डालकर ऑपरेशन किया गया। जिसकी वजह से वे चलने फिरने में असमर्थ है। कहीं जाने के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। पुरेन्द्र ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में इस संबंध में आवेदन दिया। आज उन्हें मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में उन्हें बैटरी चलित ट्राय सायकल प्रदान किया गया। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल की वजह से अब मैं आत्मनिर्भर हो गया हूं। मुझे दूसरे पर निर्भर रहने की अब आवश्यकता नही। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री साय के गृह निवास बगिया में उनके द्वारा स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जनसुविधाओं और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। कैंप का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है।

नगर पालिकाओं एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2025 राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

रायपुर: छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता में आज यहां राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय नवा रायपुर, अटल नगर में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों की अहम बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में रिटर्निंग ऑफिसर (आर ओ) और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (ए आर ओ) की नियुक्ति को लेकर निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिए अलग-अलग नियुक्ति की जाय। इसके साथ ही, निर्वाचन प्रक्रिया के लिए निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन निर्धारित तिथि 15 जनवरी को सुनिश्चित करने कहा गया। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी समय सीमा में करने निर्देशित किया गया। बैठक में चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) पर भी विस्तार से चर्चा हुई। निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने कहा कि नगरीय निकाय निर्वाचन ईव्हीएम से कराए जाने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा की एफ एल सी हेतु एक प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति की जाए तथा इस कार्य हेतु आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि एफ एल सी कार्यक्रम की सूचना लिखित में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाए तथा यह सुनिश्चित करें कि एफ एल सी की प्रक्रिया प्रतिदिन समय पर प्रारंभ हो एवं निर्धारित तिथि तक पूर्ण कर ली जाए। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, राज्य निर्वाचन आयोग की उप सचिव डॉ. नेहा कपूर, डॉ. अनुप्रिया मिश्रा एवं श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एसडीएम सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे । आयोग के सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने बताया कि वर्ष 2014 के नगरीय निकाय आम निर्वाचन, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईव्हीएम के माध्यम से संपन्न कराया गया था। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उपयोग किए जाने वाले ईव्हीएम मल्टी वोट मल्टी पोस्ट प्रकार की है। उन्होंने कहा कि नवगठित जिलों को उनके पेरेंट जिलों से ईव्हीएम आवश्यकता अनुसार प्रदाय किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों को आगामी चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक के माध्यम से नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी जिला के निर्वाचन अधिकारियों ने बैठक में अपने-अपने जिलों की तैयारियों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया और कहा कि आयोग के निर्देशानुसार सभी तैयारियां समय पूर्व सुनिश्चित कर ली जाएगी।

पर्यटन स्थल ओनाकोना में जिला प्रशासन बालोद द्वारा चलाया गया वृहद स्वच्छता अभियान

संवाददाता | बालोद

कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के गुरुर विकासखंड के पर्यटन स्थल ओनाकोना में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, गुरुर एसडीएम श्रीमती प्राची ठाकुर, उपसंचालक पंचायत श्री आकाश सोनी, जनपद सीईओ श्री उमेश रात्रे सहित अधिकारी-कर्मचारियों, स्वच्छाग्राही महिलाओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वच्छता अभियान में अपनी सहभागिता निभाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने विशेष पहल की जा रही है। इसके तहत जिले के गुरूर विकासखण्ड के ग्राम ओनाकोना में पतंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज 11 जनवरी को स्वच्छता अभियान का आयोजन सफलतापूर्वक संपादित किया गया। इसके तहत सड़कों, परिसर व जलाशय के समीप सफाई किया गया। ओनाकोना में विभिन्न स्थानों पर डस्टबिन रखे गए तथा पार्किंग, शौचालय और डस्टबिन का संकेतक भी लगाया गया। ओनाकोना में 13 जनवरी को नाइट कैम्पेग्न और बोनफायर तथा 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही बीच वॉलीबॉल मैच, रस्सी खींचो प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, अंतर विभागीय पतंग प्रतियोगिता, नौका प्रतियोगिता और नौका पेंटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रि कैंपफायर का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

बलरामपुर: कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने जिला मुख्यालय के मिशन रोड स्थित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील मौजूद रहीं। कलेक्टर श्री कटारा ने नशा मुक्ति केंद्र में सभी व्यवस्थाओं शयन कक्ष, परामर्श, योगा, रसोई कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने नशामुक्ति केंद्र में भर्ती सभी नशा पीड़ितो से व्यक्तिगत चर्चा कर पीड़ितों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावो के संबंध में बताते हुए कहा कि नशे से नकारात्मक विचार, दुर्घटनाएं, स्वास्थ्य समस्या, आर्थिक तंगी, पारिवारिक तनाव, समय का दुरुपयोग होता है। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि मादक पदार्थ शरीर के लिए सही नहीं है, स्वयं में बदलाव की शुरुआत कर अन्य लोगों को भी नशा से मुक्त होने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने नशा पीड़ितों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि केंद्र से जाने के पश्चात सकारात्मक दिशा की ओर आगे बढ़ कर अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण करें। नशा मुक्ति केंद्र के संचालक श्री प्रभाकर ने बताया कि अगस्त 2022 से संचालित इस केंद्र में अभी तक कुल 309 नशा पीड़ित भर्ती हुए थे, जिसमें अधिकांश लोग नशा से मुक्त होकर अपने घर चले गए हैं। वर्तमान में 15 बिस्तरीय इस केंद्र में 11 लोग भर्ती है जिनका काउंसलिंग भी किया गया है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र में उपलब्ध रिकॉर्ड के संधारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही संबंधित अधिकारियों को केंद्र की सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। निरीक्षण के दौरान समाज कल्याण विभाग श्री चंद्रमा यादव, जनपद सीईओ श्री रणवीर साय सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न कार्यो का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता | गरियाबंद

कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने आज नगर पालिका प्रशासक श्री राकेश गोलछा एवं सीएमओ की मौजूदगी में नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण किया। साथ ही गरियाबंद नगर के छिंद तालाब, देवरनीन तालाब और नया तालाब का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने साईं मंदिर परिसर में विकसित किये जा रहे उद्यान के कार्यो का अवलोकन कर सभी कार्यो को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर के सिविल लाईन स्थित क्रीडा परिसर का भी अवलोकन किया। वहां हो रहे निर्माण कार्यो का जायजा लेते हुए हरीतिमा वातावरण विकसित करते हुए क्रीडा परिसर को हरियालीमय रूप में विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गार्डन के भीतर चारों ओर अच्छे से गार्डनिंग करें एवं मैदान पर हरे घास लगाएं। उन्होंने आवश्यक घास, पौधे, फूल एवं अन्य प्राकृतिक चीजों से क्रीडा परिसर को आकर्षक बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने शहर में स्थित छिंद तालाब, देवरनीन तालाब और नया तालाब का निरीक्षण करते हुए भी जल संचय बढ़ाने, तालाबों के गहरीकरण एवं साफ-सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए भी आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। साथ ही छिंद तालाब में सौंदर्यीकरण के बनाये गये प्लान को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करते हुए निर्माण कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने तालाब में ड्रेनेज की बाधा को दूर करने आवश्यक सर्वे के कार्य योजना भी बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने सभी तालाबों की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गिरीश चन्द्राकर, तहसीलदार श्री मयंक अग्रवाल सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

गरियाबंद जिले के 36 स्कूलों के प्राचार्यों को नोटिस

गरियाबंद: हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला पंचायत सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई। इस दौरान खराब प्रदर्शन वाले स्कूलों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने टीडी हायर सेकेंडरी स्कूल फिंगेश्वर के प्राचार्य को तत्काल हटाने और 36 स्कूलों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर फिंगेश्वर के बीईओ और बीआरसीसी को मॉनिटरिंग में लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी प्राचार्यों और शिक्षकों को गंभीरता से प्रयास करना होगा। गौरव गरियाबंद अभियान का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और कक्षा 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को सफलता दिलाना है। समीक्षा बैठक में डी ग्रेड प्राप्त 36 स्कूलों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें फिंगेश्वर, छिंदौला, नागाबुड़ा, बकली, कौंदकेरा, सिवनी और राजिम सहित अन्य स्कूल शामिल हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में ए ग्रेड प्राप्त स्कूलों के प्राचार्यों को प्रशस्ति पत्र देने के लिए निर्देशित किया गया। इनमें शासकीय कन्या विद्यालय देवभोग, शासकीय हाई स्कूल बजाड़ी, सेजेस फिंगेश्वर और अन्य स्कूल शामिल हैं। कलेक्टर ने सभी शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने और कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि खराब परिणाम वाले शिक्षकों और संस्था प्रमुखों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि मार्च के पहले सप्ताह में बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होगी। परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रश्न बैंक के आधार पर विद्यार्थियों को तैयारी कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर राकेश कुमार गोलछा, जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. सारस्वत, डीएमसी के.एस. नायक, गौरव गरियाबंद अभियान के नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे

विज्ञान और प्रयोग का संतुलन जीवन की कला है

हर कार्य में दो आवश्यक तत्व होते हैं: विज्ञान और उसका क्रियात्मक प्रयोग। बिना प्रयोग के ज्ञान का कोई महत्व नहीं होता, और बिना ज्ञान के प्रयोग भी आधारहीन रहता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। जैसे चित्रकला में रंगों और तूलिका का ज्ञान यदि हम जान लें, लेकिन उसे प्रयोग में न लाएं, तो वह अधूरा रहेगा। इसी तरह, यदि बिना ज्ञान के केवल प्रयास करते जाएं, तो भी सफलता नहीं मिल सकती। जीवन भी एक कला है, जिसमें सिद्धांतों का ज्ञान और उनका सही समय पर प्रयोग जरूरी है। केवल सिद्धांतों को जानकर हम समाज और खुद का विकास नहीं कर सकते, जब तक उन्हें सही अवसरों पर लागू नहीं करते। यदि हम सिद्धांतों का सही प्रयोग नहीं करते, तो हमारी स्थिति उस व्यक्ति जैसी हो सकती है जो धर्मग्रंथों का बोझ तो उठाता है, पर उनका सही अर्थ नहीं समझता। जीवन को सुंदर और उपयोगी बनाने के लिए हमें सिद्धांतों का न केवल ज्ञान, बल्कि उनका सक्रिय और सही प्रयोग भी करना चाहिए। केवल आंतरिक आध्यात्मिकता से जीवन को सही दिशा नहीं मिलती, जब तक बाह्य और आंतरिक विकास का संतुलन न हो। तभी हम जीवन को सुंदर, उपयोगी और पूर्ण रूप से जीने की कला सीख सकते हैं।

संपादकीय भारत में काम और उत्पादकता के नए मानक

"कार्य संतुलन और उत्पादकता में भारत के लिए सही दिशा क्या है?"

जब भारत वैश्विक परिदृश्य में अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, काम के घंटों और उत्पादकता पर जारी बहस एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। यह बहस तब शुरू हुई, जब इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने देश की उत्पादकता बढ़ाने के लिए युवाओं को हर सप्ताह 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी, जिसे एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यम ने बढ़ाकर 90 घंटे कर दिया। हालांकि अब, उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने इस बहस को यू-टर्न देते हुए कहा कि काम के घंटों से ज्यादा महत्वपूर्ण गुणवत्ता है। यह ध्यान देने योग्य है कि कुछ पेशों, जैसे मीडिया, पुलिस और आईटी, में अक्सर बिना अवकाश के लगातार काम करना पड़ता है। इन क्षेत्रों में काम और उत्पादकता का सीधा संबंध है, जैसा कि आनंद महिंद्रा ने कहा। काम और जीवन के बीच संतुलन महत्वपूर्ण है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति 90 घंटे काम कर रहा है, मगर गुणवत्तापूर्ण काम नहीं कर रहा है, तो उसका कोई लाभ नहीं है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम इस बहस को सही दिशा में देखें। नारायण मूर्ति और एसएन सुब्रमण्यम का संदेश यह है कि जब आपको प्रतिस्पर्धा करनी हो या महत्वपूर्ण कार्य पर ध्यान केंद्रित करना हो, तब काम के घंटों को नजरअंदाज कर अपनी पूरी क्षमता और श्रम का उपयोग करना चाहिए। हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि आईटी जैसी क्षेत्रों में काम आम तौर पर प्रोजेक्ट-आधारित होता है, जिसमें एक बार प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद लंबी छुट्टियां लेने का अवसर मिलता है। वहीं, यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि वैज्ञानिक और लेखक अपनी खोजों और रचनाओं में पूरी तरह डूबे रहते हैं। संतोष कार्य की पूर्णता से आता है, न कि श्रम-घंटों से। इस संदर्भ में, नारायण मूर्ति और सुब्रमण्यम जो अधिक समय देने की बात कर रहे हैं, उसका मतलब सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ देने से है। आनंद महिंद्रा की बात एक हद तक इस बहस को संतुलित दिशा में ले जाने का प्रयास प्रतीत होती है, जिसमें यह कहा गया कि मूर्ति और सुब्रमण्यम दोनों की बातें अपने-अपने संदर्भ में सही हैं। मुख्य सवाल यह है कि आप अपनी उत्पादकता और क्षमता को किस दिशा में उपयोग करेंगे, ताकि आप अपनी पूरी क्षमता का सही तरीके से उपयोग कर सकें।

छेरछेरा पर्व पर विशेष लेख: छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है छेरछेरा

लेखक/विचारक: महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छत्तीसगढ़ राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं में गहरी जड़ें जमाए हुए कई पर्व और उत्सव हैं, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि समाज में सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। इनमें से एक प्रमुख और विशिष्ट पर्व छेरछेरा है, जो विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति का आदर्श प्रस्तुत करता है और किसानों के जीवन से जुड़ा हुआ है। छेरछेरा पर्व कृषि पर आधारित होने के कारण यह नए कृषि मौसम और फसल कटाई के बाद मनाया जाता है, जिसे हर साल पौष पूर्णिमा के दिन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

समाज में सामूहिकता और सहयोग का प्रतीक है छेरछेरा

छेरछेरा पर्व की शुरुआत में ग्राम देवताओं की पूजा होती है, जिसे ग्रामीण अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तथा कृषि की उन्नति की कामना से करते हैं। यह पर्व फसल के कटाई के बाद एक सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो समाज के सभी वर्गों को एकजुट करता है। इस दिन विशेष रूप से छोटे बच्चे, युवक और युवतियां हाथ में टोकरी या बोरियां लेकर घर-घर छेरछेरा मांगने निकलते हैं। वे "छेर छेरता माई मोरगी मार दे, कोठे के धान ला हेर दे" जैसे पारंपरिक गीत गाते हुए घरों के सामने जाते हैं और वहां से नया चावल और नकद राशि प्राप्त करते हैं। यह सब एक सामूहिक खुशी का हिस्सा होता है, जो पूरे गांव को उत्साहित और सामूहिक रूप से एकजुट करता है।

जनजातीय समुदाय की धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं

समाज की एकता और सामूहिक सहयोग को दर्शाते हुए यह पर्व केवल एक पारंपरिक उत्सव ही नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक सहयोग का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी बन जाता है। छेरछेरा के दौरान लोगों द्वारा इकट्ठा किया गया चावल और धन गरीब और जरूरतमंद परिवारों में बांटा जाता है, जिससे ग्रामीणों के बीच सहकारिता और एकजुटता की भावना और मजबूत होती है। इस प्रक्रिया में पारंपरिक रूप से अनाज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का काम किया जाता है, जिसे ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली के रूप में देखा जा सकता है। यह प्रणाली सामाजिक सुरक्षा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां ग्रामीण अपनी जरूरतों को साझा करते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान और जैव विविधता संरक्षण

सरगुजा में छेरछेरा पर्व का विशिष्ट रूप और यहां की परंपराएं विशेष महत्व रखती हैं। सरगुजा के गांवों में यह पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है, और यह स्थानीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यहां के बच्चे विशेष रूप से छेरछेरा के दिन हर घर के सामने पहुंचते हैं, और इस दिन उन्हें नया चावल और धन प्राप्त होता है। यह पर्व न केवल कृषि का उत्सव है, बल्कि यह लोकनृत्य, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी अपनी अहमियत बनाए रखता है। गांवों में छेरछेरा के दौरान नृत्य और गीत की विशेष भूमिका होती है। महिलाएं जहां सुगा गीत गाती हैं, वहीं पुरुष शैला गीत गाकर नृत्य करते हैं। साथ ही युवा वर्ग भी डंडा नृत्य करते हुए घर-घर पहुंचता है। यह नृत्य और गीत स्थानीय परंपराओं और संस्कृति का हिस्सा होते हैं, जो समाज की एकता और विविधता को बढ़ावा देते हैं।

इसके अलावा छेरछेरा के दौरान होने वाले कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ग्रामीण अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। इसमें लोकनृत्य, संगीत, नाटक और अन्य प्रदर्शन शामिल होते हैं, जिनका उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करना और संस्कृति को संजोना होता है।

प्रकृति और कुल देवी देवताओं का करते है सम्मान

छेरछेरा पर्व का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से सभी लोग अपने आपसी मतभेदों को भुलाकर एक साथ मिलकर खुशी मनाते हैं और एक-दूसरे से सहयोग करते हैं। यह पर्व उन सभी परंपराओं का जीवंत उदाहरण है, जो हमारे समाज में भाईचारे और प्यार की भावना को बढ़ावा देती हैं। छेरछेरा के दिन विभिन्न गांवों में खेलकूद, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिनमें लोग अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन करते हैं। ये कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन होते हैं, बल्कि यह समाज में सामूहिकता और सामूहिक सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। छेरछेरा पर्व में प्रकृति और देवताओं का सम्मान एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है। इस पर्व के दौरान लोग न केवल अपने खेतों से काटे गए धान की पूजा करते हैं, बल्कि वे पेड़-पौधों, जल, मिट्टी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का भी सम्मान करते हैं। यह पर्व पर्यावरण के संरक्षण और जैव विविधता के प्रति जागरूकता फैलाने का एक बड़ा अवसर होता है। लोक पूजा के माध्यम से लोग यह संदेश देते हैं कि हम प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण का संरक्षण करें। जैव विविधता के संरक्षण में छेरछेरा पर्व का योगदान महत्वपूर्ण है। पर्व के दौरान प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान और संरक्षण किया जाता है, और यह संदेश फैलाया जाता है कि अगर हम प्रकृति का ध्यान नहीं रखेंगे तो हमारा अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। यह पर्व न केवल कृषि और पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसमें लोकगीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। जनजातीय समुदायों के लिए छेरछेरा पर्व का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आदिवासी लोग इसे न केवल एक कृषि पर्व के रूप में मानते हैं, बल्कि इसे अपने जीवन और संस्कृति के एक अभिन्न हिस्सा के रूप में देखते हैं। जनजातीय समुदायों में यह विश्वास है कि उनके देवता और प्रकृति की शक्तियां उनके जीवन के हर पहलू में मौजूद हैं, और छेरछेरा पर्व के माध्यम से वे इन शक्तियों का सम्मान करते हैं। जनजातीय समुदाय के लोग इस दिन विशेष रूप से प्रकृति पूजा करते हैं और अपने ग्राम देवताओं को धन्यवाद अर्पित करते हैं। उनका मानना है कि यह पर्व उन्हें उनके जीवन की कठिनाइयों से उबारने के लिए देवताओं का आशीर्वाद प्रदान करता है। साथ ही, इस दिन जनजातीय समुदाय के लोग नई फसल को देवताओं को समर्पित करते हैं, ताकि आगामी वर्ष में उनकी कृषि समृद्ध हो और परिवार के सभी सदस्य स्वस्थ रहें। इस पर्व के दौरान जनजातीय समुदाय परंपरागत धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, जिसमें वे अपने देवताओं के सामने विशेष रूप से अनाज, फल और फूल चढ़ाते हैं, ताकि उन पर देवताओं की कृपा बनी रहे। वे इस दिन को एक तरह से धार्मिक आभार के रूप में मनाते हैं, जिसमें उनके समुदाय की समृद्धि, शांति और सौहार्द की कामना की जाती है। छेरछेरा पर्व छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व न केवल किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, बल्कि यह समाज में सामूहिकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर अपने सुख-दुख साझा करने चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करना चाहिए। इस पर्व का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यधिक है, और यह छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। चाहे वह नृत्य और संगीत हो, लोकगीत हो या फिर समाजिक सहयोग हो, छेरछेरा पर्व ने हमेशा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में भी यह इसी तरह से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का काम करेगा।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े उदयपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में हुई शामिल

रायपुर: महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े राजस्थान के उदयपुर शहर में आयोजित चिंतन शिविर में शामिल हुई। उन्होंने चिंतन शिविर में राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ स्वतंत्र रुप से चर्चा में भाग लिया। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री तथा सचिव भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रमुख हितधारक एक साथ एक मंच पर उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से देश भर में महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास एवं कल्याण से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के माध्यम से इन चुनौतियों के निराकरण के लिए हर संभव समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले कई महत्वपूर्ण सत्रों में मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 शामिल हैं। इन सत्रों का उद्देश्य महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान निकालना और भारत में महिलाओं के कल्याण और बच्चों के विकास को मजबूत बनाने के लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा परिवारों का सम्मान, राष्ट्रपति के विशेष न्यौता पर गणतंत्र दिवस समारोह पर होंगे शामिल

रायपुर: छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड के तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के छह सदस्य 26 जनवरी 2025 को देश की राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होंगे। यह अवसर न केवल इन परिवारों के लिए, बल्कि पूरे कबीरधाम जिले के लिए गौरव और सम्मान का पल होगा।

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के विशेष आमंत्रण पर कबीरधाम जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजति बैगा परिवार के तीन परिवारो को आमंत्रित किया गया है। विशेष आमंत्रित बैगा परिवारों में ग्राम पंचायत कादावनी के आश्रित ग्राम पटपरी की श्रीमती जगतिन बाई बैगा और उनके पति फूल सिंह बैगा, ग्राम तेलियापानी की श्रीमती तीतरी बाई बैगा और पति बुध सिंह बैगा, और ग्राम तेलियापानी की ही श्रीमती बाली बाई बैगा,पति सोनू राम बैगा कुल छः बैगा सदस्य है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के विशेष निमंत्रण पर दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त होगा। कलेक्टर ने जिले के इन बैगा परिवारों को दिल्ली तक गणतंत्र दिवस के आयोजन तक सुरक्षित ले जाने के लिए इन परिवारों के साथ जिला क्रेडा अधिकारी श्री नंद कुमार गायकवाड़ की डियूटी लगाई है।

राष्ट्रपति से मुलाकात और विशेष रात्रि भोज का अवसर

कबीरधाम जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों को दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ आयोजित विशेष रात्रि भोज में सम्मिलित होने का भी सम्मान प्राप्त होगा। इन परिवारों को इसके अलावा, ये परिवार प्रधानमंत्री आवास, संसद भवन और राष्ट्रपति भवन और भी अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

सौर ऊर्जा ने बदली बैगा परिवारों की जिंदगी

महज एक साल पहले, 2024 की दीपावली के पहले तक इन परिवारों के घरों में अंधेरा था। बिजली की सुविधा से वंचित इन बैगा परिवारों की समस्याओं को दूर करने के लिए जिला कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने 24 अक्टूबर 2024 को ग्राम पंचायत कादावनी के मजराटोला पटपरी में जन चौपाल लगाई थी। इस दौरान उन्होंने क्रेडा विभाग को निर्देश दिया कि ग्राम पटपरी के सभी 25 घरों को सौर ऊर्जा संयंत्र से विद्युतीकृत किया जाए। क्रेडा विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, प्रत्येक घर में 300 वॉट क्षमता के सोलर होम लाइटिंग सिस्टम लगाए। दीपावली के पहले ही इन घरों में पहली बार रोशनी पहुंची, जिससे इन परिवारों के जीवन में उजाला आया। इसी दौरान कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने नंद लाल बैगा के घर जाकर उनके परिवार के साथ भोजन भी किया था।

बैगा परिवारों ने भावुक होकर बोले यह सपना सच होने जैसा है

दिल्ली जाने की खबर से इन परिवारों में उत्साह और गर्व का माहौल है। श्रीमती जगतिन बाई बैगा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमने कभी सोचा भी नहीं था कि हमें राष्ट्रपति जी से मिलने का मौका मिलेगा। पहले हमारे गांव में अंधेरा था, लेकिन अब सौर ऊर्जा की वजह से हमारे घर रोशन हैं। यह सरकार और कलेक्टर साहब की बदौलत संभव हुआ है।

श्रीमती तीतरी बाई बैगा ने बताया कि हमारी जिंदगी में यह सबसे बड़ा अवसर है। राष्ट्रपति जी से मिलना और गणतंत्र दिवस समारोह देखना हमारे पूरे गांव के लिए गर्व की बात है।

बीमा सखी बनी 31 लखपति दीदियां, बीमा सखी बनने 60 लखपति दीदियों को दिया गया आवश्यक मार्गदर्शन

राजनांदगांव: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की उपस्थिति में जिला पंचायत सभाकक्ष में बीमा सखी के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के संयुक्त प्रयास से 31 लखपति दीदियों ने बीमा सखी बनकर रोजगार प्राप्त किया है। यह योजना भारतीय जीवम बीमा निगम के माध्यम से संचालित की जा रही है। जिसमें बीमा सखी को प्रथम वर्ष 7 हजार रूपए, द्वितीय वर्ष 6 हजार रूपए एवं तृतीय वर्ष 5 हजार रूपए प्रतिमाह देय होगा। साथ ही निर्धारित कमीशन भी दिया जायेगा। कार्यशाला में भारतीय जीवन बीमा निगम के शाखा प्रबंधक श्री संजीव सूद एवं विकास अधिकारी श्री प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि बीमा सखी बनने के लिए भारतीय बीमा संस्थान द्वारा निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होती है। जिसमे प्रथम चरण में 23 दिसम्बर को 10 लखपति दीदियों ने एवं द्वितीय चरण में 10 जनवरी को 21 दीदियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर बीमा सखी बनकर रोजगार प्राप्त किया है। राज्य में यह अभिनव पहल राजनांदगांव जिले में की गई है। कार्यशाला में 60 लखपति दीदियों को बीमा सखी बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

5 लाख कुल 29 लाख के कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

कोरबा: वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन कोरबा नगर निगम क्षेत्र के दर्री जोन के वॉर्ड क्रमांक 47 में आयोजित भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में 44 लाख के विकास कार्यों की सौगात दी। मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र के दर्री जोन के वॉर्ड क्रमांक 47 गोपालपुर शिव मंदिर के समीप प्रभारी मद के 15 लाख की लागत से से भारिया समाज सामुदायिक भवन के पास नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण के साथदसाथ अधोसंरचना मद और जिला खनिज न्यास मद से निम्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इसके साथ ही वार्ड 45 रामनगर में सामुदायिक भवन के पास किचन शेड निर्माण कार्य 4 लाख, वार्ड 47 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सामुदायिक गवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड के 48 सलिहाभाठा सुमेधा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड 53 नदियाखार पुलिया के पास मुक्तिधाम निर्माण कार्य 5 लाख कुल 29 लाख के कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

ब्रेकिंग न्यूज़ मंत्री ने 15 लाख की स्वीकृति की सहर्ष घोषणा की

उद्योग मंत्री दर्री और कोसाबाड़ी जोन के वार्डों में विभिन्न लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन का भारिया समाज के लोगों ने आभार और अभिनंदन किया। समाज के प्रमुख जनों की मांग पर सामुदायिक भवन के बाउंड्रीवाल और चेका टाइल्स के लिए मंत्री ने 15 लाख की स्वीकृति की सहर्ष घोषणा की। इसी तरह कोरबा नगर निगम आवसीय कॉलोनी परिसर स्थित शिव मंदिर में विधायक मद, प्रभारी मद से वार्ड क्र. 22 नगर पालिक निगम आवासीय कालोनी कोरबा में न.पा.नि. कोरबा द्वारा निर्मित पंडाल मे शेड एवं हाल का निर्माण 10 लाख वार्ड क्र. 22 नगर पालिक निगम आवासीय परिसर के सार्वजनिक परिसर में पंडाल का निर्माण कार्य 7 लाख का लोकार्पण किया। साथ ही वार्ड क. 22 न.पा.नि. कोरबा आवासीय परिसर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 6 लाख, वार्ड 33 रामपुर उद्यान का विकास कार्य लागत 20 लाख के कार्यो के भूमिपूजन व शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विष्णु सरकार में विकास कार्यों की गति का आप अंदाजा लगा सकते हैं जिन कार्यों की स्वीकृति जून में मिली थी उन कार्यों का भूमिपूजन किया गया था, आज उनका लोकार्पण कर आम जन मानस को समर्पित किया जा रहा है।आने वाले दिनों में बहुत सारी उपलब्धियां हमारे शहर के साथ वार्ड के साथ जुड़ेंगी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि10 जनवरी के बाद कोरबा नगर निगम का मौजूदा कार्यकाल समाप्त हो चुका है। इसी के साथ कोरबा नगर निगम की बदहाली के कार्यकाल का अवधि भी समाप्त हो चुका है। आने वाले दिनों में आप सभी के आशीर्वाद और समर्थन के साथ कोरबा नगर निगम में विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, कौशल देवांगन, पूर्व पार्षद चंद्रलोक सिंह, कोसाबाडी मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश राठौर, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, ज्योति वर्मा, पूर्व पार्षद विजय साहू, नारयण ठाकुर, तुलसी ठाकुर, राज जायसवाल, पुष्पा कंवर, फीरत साहू ममता साहू, कविता राजपूत, मुकुंद सिंह, भारिया समाज का अध्यक्ष विजय भारिया, रामकुमार, हेमलाल, गौरी भारिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

एनएसएस के स्वयं सेवकों ने तातापानी में चलाया स्वच्छता अभियान

बलरामपुर: तातापानी महोत्सव 2025 का आयोजन 14 से 16 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री एन.के. देवांगन के नेतृत्व में महोत्सव के पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के स्वयं सेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। स्वयं सेवकों ने आस्था के केंद्र तातापानी को स्वच्छ बनाने एवं पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु तातापानी स्थित मंदिर परिसर एवं गर्म जल कुंड के चारों ओर साफ-सफाई की। स्वच्छता अभियान में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर, शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर एवं शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय तातापानी के लगभग 400 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। स्वच्छता अभियान के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने समुदाय को स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने, पर्यावरण की स्वच्छता बनाये रखने एवं जनजागरूकता लाने का संदेश दिया।

शौण्डिक समाज का रहा है समृद्धिशाली इतिहास- मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के विधानसभा रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित अखिल भारतीय शौण्डिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह में भाग लिया। उन्होंने शौण्डिक समाज के ऐतिहासिक योगदान और उनकी उद्यमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज व्यापार, कृषि, और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाकर देश और विदेश में सम्मान कमा रहा है। मुख्यमंत्री ने रायपुर में शौण्डिक समाज के सामाजिक भवन के निर्माण के लिए भूमि प्रदान करने की घोषणा की और समाज की पत्रिका "छत्तीसगढ़ शौण्डिक समाचार" का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास कर रहा है और प्रदेश अपने निर्माण के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है और किसानों को 2 वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है। "महतारी वंदन योजना" के तहत 70 लाख महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। "रामलला दर्शन योजना" के तहत अब तक 20,000 रामभक्त लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पीएससी में हुई गड़बड़ी की सीबीआई जांच हो रही है और सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। मुख्यमंत्री ने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-2030 की चर्चा करते हुए बताया कि यह नीति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और महिलाओं को प्राथमिकता देती है। दिल्ली में हुई इन्वेस्टर समिट में इस नीति को उद्योगपतियों ने सराहा है। उन्होंने शौण्डिक समाज से अपील की कि वे सिंगल विंडो 2.0 का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय का विस्तार करें। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शिक्षा और संगठित समाज की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और सामूहिक विवाह आयोजनों की पहल करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का हर क्षेत्र विकसित हो रहा है। उन्होंने किसानों के लिए 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान मूल्य और अन्य योजनाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश शौण्डिक समाज के अध्यक्ष श्री शिवरतन प्रसाद गुप्ता, संयोजक श्री श्याम गुप्ता, हजारीबाग के विधायक श्री प्रदीप प्रसाद, और अखिल भारतीय शौण्डिक समाज के अनेक प्रमुख सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वागत करते हुए समाज के विकास में उनके योगदान की सराहना की।